आईआईएम फाउंडेशन डे पर आर. गोपालाकृष्णन का होगा लैक्चर

3 अक्टूबर को आयोजन, अवॉर्ड सेरेमनी भी होगी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर का 20वां फाउंडेशन डे 3 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर फाउंडेशन लेक्चर ऑथर, कॉर्पोरेट एडवाइजर और थॉट लीडर आर गोपालाकृष्णन लेंगे। वे मैक्सीमाइजिंग, नॉल बैलेंसिंग, वर्क लाइफ थ्रू सिक्स लैंसेस सब्जेक्ट पर संबोधित करेंगे। आर. गोपालाकृष्णन 48 सालों से कॉर्पोरेट लीडर है। बतौर इंटरनेशनल स्पीकर वे इंस्ट्रक्शनल और इंस्पीरेशनल स्पीकिंग करते हैं। इस कार्यक्रम में अवॉर्ड प्रेजेंटेशन सेरेमनी भी होगी। इसके तहत अकेडमिक एक्सीलेंस का सर्टिफिकेट पीजीपी (बैच 2015-17) और आईपीएम (बैच 2012-17) में टॉप 5 पर्सेंटाइल लाने वाले स्टूडेंट्स को दिया जाएगा। साथ ही बेस्ट टीचर और बेस्ट स्टाफ अवॉर्ड भी दिया जाएगा। इस इवेंट में म्यूजिकल परफॉर्मेंस भी रहेगी। आईआईएम के ऑडिटोरियम 2 में होने वाले इस इवेंट का समय दोपहर 3.15 बजे रहेगा।

फिल्टर कॉफी बैंड करेगा परफॉर्म

इसके बाद मुंबई के फेमस फ्यूजन बैंड फिल्टर कॉफी की परफॉर्मेंस भी होगी, जिसका समय 4.30 बजे रहेगा। फिल्टर कॉफी को श्रीराम और स्वरूपा चलाते है जो खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक साउंडस्केप्स और हिप्टोनिक ग्रूव्स पर वर्क करते हैं। इसमें क्लासिकल म्यूजिक को मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में पेश किया जाएगा।

Patrika, September 29, 2016, Page-15 (Plus)

आईआईएम का फाउंडेशन डे प्रोग्राम आज

इंदौर ● इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर का 20वां फाउंडेशन डे सोमवार को है। इस मौके पर गेस्ट लैक्चर और सेलिब्रेशन होगा। ऑथर, कॉर्पोरेट एडवाइजर और थॉट लीडर आर. गोपालाकृष्णन की नोट स्पीकर होंगे। वे अधिकतम, असंतुलन, छह लैंसो के माध्यम द्वारा जीवन-कार्य विषय पर स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स को संबोधित करेंगे। लैक्चर दोपहर 3.30 बजे से रहेगा। इसके बाद शाम 4.30 बजे अवॉर्ड प्रेजेंटेशन सेरेमनी होगी। इसके तहत अकेडमिक एक्सीलेंस का सर्टिफिकेट पीजीपी (बैच 2015-17) और आईपीएम (बैच 2012017) में टॉप 5 पर्सेंटाइल लाने वाले स्टूडेंट्स को दिया जाएगा। साथ ही बेस्ट टीचर और बेस्ट स्टाफ अवॉर्ड भी दिया जाएगा। इवेंट में मुंबई का प्रसिद्ध फिल्टर कॉफी बैंड परफॉर्म करेगा।

Patrika, October 3 2016, Page-15

IIM-I foundation day celebration today

● OUR STAFF REPORTER
INDORE

Indian Institute of Management, Indore would be celebrating its 20th foundation day on Monday.

R Gopalakrishnan, author, corporate advisor and thought leader, will deliver the foundation day lecture on the topic—'Maximizing, Not Balancing, Work-Life Through Six Lenses'.

The event would be followed by an award presentation ceremony, i.e. certificate for academic excellence to top 5 percentile of the combined batch of the PGP (Batch 2015-17) and IPM (Batch 2012-17) participants based on their academic performance in the year 2015-16.

The best teacher awards and best staff awards would also be presented on the occasion. The event would conclude with a musical performance by Filter Coffee, fusion band, Mumbai.

Free Press, October 3, 2016, Page-3

आईआईएम इंदौर के स्थापना दिवस में आएंगे आर. गोपालकृष्णन

सिटी रिपोर्टर • इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर द्वारा संस्थान का 20वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। दोपहर साढ़े तीन बजे से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले कार्यक्रम में लेखक, कॉरपोरेट सलाहकार और थॉट लीडर आर. गोपालकृष्णन शामिल होंगे। वे मेक्सिमाइज़िंग, नॉट बैलेंसिंग वर्क-लाइफ थ्रू सिक्स लेंस विषय पर संबोधन देंगे। कार्यक्रम में अवॉर्ड प्रेजेंटेशन सेरेमनी के तहत टॉप 5 स्टूडेंट्स के साथ बेस्ट टीचर और बेस्ट स्टाफ के अवॉर्ड दिए जाएंगे। मुंबई के फ्यूज़न बैंड फिल्टर कॉफी द्वारा प्रस्तुति भी दी जाएगी।

Dainik Bhaskar, September 29, 2016, Page-21

आर. गोपालकृष्णन का व्याख्यान 3 अक्टूबर को

इंदौर। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर 3 अक्टूबर को संस्थान के सभागृह में कॉर्पोरेटर सलाहकार आर. गोपालकृष्णन अधिकतम, असंतुलन, छह लैंसों के माध्यम द्वारा जीवन-कार्य विषय पर 3.30 बजे व्याख्यान देंगे। 4.30 बजे अवॉर्ड प्रेजेंटेशन और 5.30 बजे म्यूजिक कार्यक्रम होगा।

Dabang Dunia, September 29, 2016, Page-13

IIM Indore celebrates its 20th foundation day

TIMES NEWS NETWORK

Pravin Barnale

Fusion band Filter Coffee performs at the event

Indore: Education nowadays focuses on producing competent managers that are skilled, learned and talented, but that doesn't necessarily mean that they are happy managers. Young managers find stress to be a big problem and this has led to a disturbance when it comes to balancing work and personal lives.

These were the words of author and corporate advisor R Gopalakrishnan who was speaking on maximising, not balancing, work life through six lenses at the 20th Foundation Day of the Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) on Monday.

"Both of our eyes have six lenses that need to work in tandem. In the same way there are six such 'lenses' for managers too — purpose, maturity, courage, trust, defining success and luck. When a person faces any situation, these lenses too adjust themselves accordingly," he said.

The event was inaugurated with a welcome address by Professor Rishikesha T Krishnan, director, IIM Indore. This was followed by an awards presentation ceremony. These included certificates for academic excellence to the top 5 percentile of the combined batch of the PGP (Batch 2015-17) and IPM (Batch 2012-17) participants based on their academic performance in the year 2015-16. Certificates were presented to 25 students. On the occasion, IIM Indore's Best Teacher Award for 2016 was also declared. The event concluded with a melodious musical performance by Filter Coffee, a fusion band from Mumbai, enthralled the audience with a performance.

BEST TEACHER AWARD 2016

- Prof Harshal Lowalekar
- Professor Manoj Motiani
- Professor Rohit Kapoor
- Professor Sushanta K Mishra
- Professor V K Gupta

The Times of India, October 4, 2016, Page - 4

हैप्पी मैनेजर्स क्रिएशन पर फोकस जरूरी

यंग रिपोर्टर, इंदौर। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) इंदौर में सोमवार को 20वां फाउंडेशन-डे प्रोग्राम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर कॉर्पोरेट सलाहकार आर. गोपालकृष्णनन ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में होनहार और योग्य मैनेजर्स के साथ ही हैप्पी मैनेजर्स भी क्रिएट करने की जरूरत है। पैरेंट्स बच्चों को आईआईटी में एज्यूकेशन के लिए भेजते हैं, ताकि वे बेहतर भविष्य की संभावनाओं को बढ़ा सकें। उन्हें अच्छी कंपनियों से अच्छे ऑफर आ सकें, जबकि जरूरत संतुष्टि और खुशी के साथ काम करने वालों के लिए जरूरी है।

इस मौके पर डायरेक्टर टी. ऋषिकेश टी. कृष्णनन ने स्टूडेंट्स को नई दिशा में पॉजिटिविटी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। गोपालकृष्णन ने कहा वर्तमान में वर्कलाइफ बैलेंस का होना जरूरी हो गया है। अब दिशा में एज्यूकेशन को क्वालिटीपूर्ण बनाने की जरूरत है, तभी मैनेजर्स को हेल्दी माहौल वर्कप्लेस पर मिल सकेगा। इस दिशा में इंस्टिट्यूट ने कार्य करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए जरूरी है कि सफलता और किस्मत दोनों साथ-साथ चलें। इन्हीं का महत्वपूर्ण रोल होता है। यदि किसी भी व्यक्ति को किसी परिस्थिति का सामना करना पड़े तो सिक्सलेंसेंस उसे समय के अनुसार रहने में सहायक होते हैं। कभी दो लोग एक जैसी परिस्थिति का शिकार हों, यह कम ही देखने को मिलता है।

Peoples Samachar,
October 4, 2016, Page - 6

आईआईएम के स्थापना दिवस समारोह में कॉर्पोरेट एक्सपर्ट आर. गोपालकृष्णन ने कहा

काबिलियत और जरूरत समझने के लिए आपको चाहिए सही नजरिया

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ● दुनिया में हर एक की अलग पहचान है। उसके फिंगर प्रिंट और डीएनए भी बिलकुल अलग। जैसे लोग अलग है वैसे उनके तरीके और जरूरतें भी अलग है। अपनी काबिलियत और जरूरत को समझने के लिए सही नजरिया चाहिए। ये नजरिया मिल गया तो आप कभी निराश नहीं रह सकते।

यह कहना है कॉर्पोरेट एक्सपर्ट आर.गोपालकृष्णन का। सोमवार को आईआईएम (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट), इंदौर के 20वें स्थापना दिवस समारोह में उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। पर्पस, ऑथेंटिसिटी, करेज, ट्रस्ट, लक और फुलफिलमेंट को जीवन के नजरिए के 6 लैंसेस बताकर इनके नजरिए से दुनिया देखने की सलाह दी। उन्होंने रूटीन लाइफ के उदाहरणों से समझाया, 'पैसे या संसाधन एक समय के बाद खुशियां नहीं दे पाते। यूएसए में हैप्पीनेस पर हुई रिसर्च पर बताया कि रिसर्च के नतीजों से पता चला है कि सैलरी बढ़ने के बाद वहां के लोगों की खुशी कम होती गई। ये हर देश की कहानी है। मैं लिफ्ट में जाता हूं तो लिफ्टमैन मुस्कुराकर कहता है कि साहब सब बढ़िया है... जबकि उसी लिफ्ट से ऊपर जाकर सीईओ और चेयरमैन को पाता हूं तो वे चिंता में नजर आते है।'

उन्होंने कहा, 'हमारी फैमिली एक आंख और बिजनेस या जिम्मेदारी दूसरी आंख है। हर कोई एक आंख से देख सकता है, मगर परफेक्ट विजन दोनों आंखें से मिलता है।' समारोह में प्रो. वीके गुप्ता, प्रो. सुशांत के. मिश्रा, प्रो. रोहित कपूर, प्रो. मनोज मोतियानी और प्रो. हर्ष लोवनकर को आईआईएम डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेष टी. कृष्णन व गोपालकृष्णन ने सम्मानित किया।

प्रो. गुप्ता को सम्मानित करते प्रो. टी कृष्णन व गोपालकृष्णन

गोपालकृष्णन ने बताए ये 6 लैंस

1. पर्पस (उद्देश्य) : लाइफ का एक लैंस हमेशा देखता है कि हम कोई भी काम किसलिए कर रहे है।

2. ऑथेंटिसिटी : यह सेंटर है जो हम खुद है।

3. करेज (उत्साह) : आगे बढ़ने के लिए हिम्मत करना।

4. ट्रस्ट (भरोसा) : हर काम के लिए खुद पर ट्रस्ट रखना और जरूरत के समय गोपनीयता बनाए रखना।

5. लक (किस्मत) : लक फैक्टर कभी सामने नहीं रहता। ये मिल भी सकता है और नहीं भी।

6. फुलफिलमेंट (संतोष) : हर रिजल्ट के बाद फुलफिलमेंट के लिए तैयार रहना। मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलने पर धैर्य रखना।

ऑलवेज ट्राय टू लर्न फ्रॉम योर फैल्योर

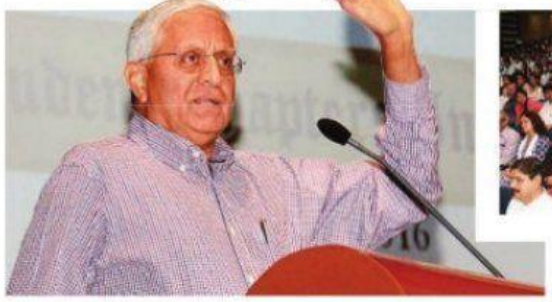

आईएमए के स्टूडेंट्स चैप्टर में यंग एंटरप्रेन्योर्स को दिए टिप्स

सक्सेस पाने के लिए प्लानिंग और परफॉर्मेंस का रेल इंपोर्टेंट है। नॉर्मल सक्सेस से हमें बहुत कम सीखने को मिलता है, लेकिन जब सक्सेस नहीं मिलती तो बड़ी सीख मिलती है। ऑलवेज ट्राय टू लर्न फ्रॉम योर फैल्योर। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के स्टूडेंट्स चैप्टर की शुरुआत के मौके पर डेली कॉलेज में आर. गोपालकृष्णन ने अवेकनिंग योर माइंड्स विषय पर मेंबर्स, स्टूडेंट्स और यंग एंटरप्रेन्योर्स को स्पीच दी। उन्होंने कहा, 'भारत में सबसे ज्यादा आबादी युवाओं की है। सही दिशा मिलने से ये समाज और देश को आगे ला सकती है। कुछ समय पहले तक पासआउट स्टूडेंट्स की पहचान उसके इंस्टीट्यूट से होती थी, लेकिन हर जगह से सामने आ रहे टैलेंट से साबित हो गया कि सिर्फ आईआईएम और आईआईटी जैसे इंस्टीट्यूट ही प्रोफेशनल तैयार नहीं करते।

गोपालकृष्णन ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, 'मेरे कॉरियर की शुरुआत हिंदुस्तान यूनिलिवर में 600 रुपए महीने की सैलरी से हुई थी। अच्छा सेल्समैन बनने के कारण मुझे लगातार मौके मिलते गए। अगर आप दूसरों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सक्षम है तो आप अच्छे सेल्समैन बन सकते है।'

उन्होंने स्टार्टअप प्लान करने वालों को सोच-समझकर कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा, 'स्टार्टअप की शुरुआत मां के गर्भ में पल रहे भ्रूण की तरह होती है। उसे बढ़ने के लिए सही माहौल और पोषक तत्व जरूरी है। स्टार्टअप प्लान करने से पहले इनोवेशन, रिस्क उठाने की क्षमता, फाइनेंस की स्थिति और मेंटरिंग जरूरी है। इसे ग्रेट आइडिया बताने के बजाय जमीनी स्तर पर काम जारी रखे।'

Patrika, October 4, 2016, Page - 13 (Patrika Plus)

'एक आंख से जिंदगी साफ नहीं दिखती'

इंदौर। लाइव रिपोर्टर

आज की शिक्षा प्रणाली का फोकस प्रतिस्पर्धी मैनेजर बनाने पर है जो स्किल्ड और टैलेंटेड हों, लेकिन क्या वे 'हैप्पी मैनेजर्स' माने जा सकते हैं। यह सवाल आर. गोपालकृष्णन ने भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के बीसवें स्थापना दिवस पर उठाया। वे यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि आज के यंग मैनेजर्स तनाव को एक बड़ी समस्या मानते हैं और अपनी कामकाजी जिंदगी में संतुलन बिठाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। हमारी दार्यी आंख पारिवार और रिश्तों पर टिकी है तो बायीं प्रोफेशन पर। हम एक आंख बंद करके जिंदगी को साफ नजर से नहीं देख सकेंगे।

देश की कई बड़ी कंपनियों में अहम जिम्मेदारियां निभा चुके,कॉर्पोरेट लीडर और लेखक आर.गोपालकृषणन ने आईआईएम के यंग मैनेजर्स को प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने के पहले जीवन में संतुलन बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक और निजी जीवन में बेहतर तालमेल करने का संघर्ष हर कहीं देखा जाता है। इसे हमें कुछ बिंदुओं से समझना होगा।

उद्देश्य : जिंदगी के साथ क्या करना है?
परिपक्वता : जो दिमाग में है वो कहे
साहस : जो आप चाहते हों वो करें
विश्वास : एक दूसरे के बीच में भरोसा पैदा करें
सफलता की परिभाषा : खुद के लिए सफलता और उसके पैमान क्या है यह तय करें
भाग्य : यह आपके जीवन में अहम रोल अदा करता है

आईआईएम का 20वां स्थापना दिवस

'युवाओं में जुनून पैदा करने की जरूरत'

आर. गोपालकृष्णन ने डेली कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में भी युवाओं को सफलता के सूत्र दिए। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है जिनकी संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है, लेकिन उन्हें जरूरत है तो सही जुनून, मार्गदर्शन और प्रेरणा की। पहले किसी समय में यह महत्वपूर्ण होता होगा कि आप किस बड़े शहर और प्रसिद्ध संस्थान से पढ़कर आए हो। लेकिन आज प्रतिभा देश की हर छोटी-बड़ी जगह से निखर कर आगे आ रहीं हैं। अब महत्वपूर्ण यह है कि आप पढ़ाई पूरी करने के बाद आप क्या और कैसे करते हो।

आर. गोपाल कृष्णन आईएमए के ग्यारहवे 'स्टूडेंट चैप्टर' के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। इसका विषय 'अवेकिंग यंग माइंड' था। गोपालकृष्णनन को सुनने के लिए डेली कॉलेज ऑडिटोरियम शहर के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से खचाखच भरा रहा।

सफलता से अधिक सिखाती है असफलता

उन्होंने स्टार्टअप पर जोर देते हुए कहा यही भारत का भविष्य है। कार्यक्रम में उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को स्टार्टअप के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें आपको कई बार असफलता का सामना करना पड़ सकता है। जो आपको बहुत कुछ सिखाएगी क्योंकि असफलता ही सबसे अच्छी शिक्षक है जबकि सफलता से कुछ सीखने नहीं मिलता। इसके अलावा उन्होंने गांधीजी सहित सभी लोगों को सेल्समेन बताया जो अपने संबंधित क्षेत्र में अपने आइडिया सेल कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के उत्तर दिए। संचालन रचना तिवारी ने किया।

मेहनत के साथ अच्छी किस्मत भी जरूरी

अपने व्याख्यान में उन्होंने कड़ी मेहनत के साथ किस्मत को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी असफलता के लिए अपनी किस्मत को दोष देते है, जबकि किसी कार्य की सफलता का जिम्मा खुद अपने पास रखता है। इंसान कहता है मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है जो आज मुझे यह सफलता मिली। लेकिन गोपालकृष्णनन ने मेहनत के साथ भाग्य को भी महत्वपूर्ण बताया। इसके लिए उन्होंने 2012 के लंदन ओलिंपिक में साइना नेहवाल के सेमीफाइनल मैच का उदाहरण दिया। जिसमें साइना के प्रतिद्वंद्वी को पैर की चोट की वजह से उसे हार का सामना करना पड़ा और साइना की किस्मत में जीत आई।

Nai Dunia, October 4, 2016, Page - 17

IIM Indore turns 20; speakers dwell on changing face of management edu

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

INDORE: The changing face of management education set the tone of the 20th foundation day of Indian Institute of Management, Indore on Monday. Established in 1996, IIM Indore was the sixth in the family of state-supported management schools.

Author-cum-corporate advisor R Gopalakrishnan, the chief guest on the occasion, said 20 years ago management education was flaky and parents preferred to send their children to IITs for 'proper education' and 'good jobs'.

"After a few years, management education developed and grew into a matured flower, and the journey of management education since then has been quite pleasant."

Talking about the growing stress in the life of modern-day managers, he said: "Education today focuses on producing competent managers who are skilled, learned and talented but can they be considered as 'happy managers'?"

"Work-life balance is getting disturbed massively these days. If our right eye is like our family then our left eye is work. We can't just dilate one eye and try to get a clear vision. We need both the eyes." He urged the future managers to work on six things – purpose, maturity, courage, trust, defining success and luck.

Institute director professor Rishikesha T Krishnan also addressed the students.

Certificate for academic excellence was presented to top five percentile students of post graduate programmes (batch 2015-17) and integrated programme in management (batch 2012-17) for the performance in 2015-16.

IIM-Indore celebrated its 20th foundation day on Monday. HT PHOTO

> After a few years, management education developed and grew into a matured flower, and the journey of management education since then has been quite pleasant.
>
> R GOPALAKRISHNAN, author-cum-corporate advisor

Hindustan Times, October 4, 2016, Page - 2

IIM celebrates 20th foundation day

'Management education has evolved drastically in last 20 yrs'

• OUR STAFF REPORTER
INDORE

Indian Institute of Management, Indore director Rishikesha T Krishnan here on Monday said that management education has evolved drastically in the country in last two decades.

"Looking back at the last 20 years, it is clear that management education has not only progressed but also evolved a lot drastically," he said while addressing a programme organised at IIM-Indore to celebrate its 20th foundation day.

The event was attended by IIM-Indore students, teaching and non-teaching staff.

The chief guest for the function was R Gopalakrishnan, author, corporate advisor and thought leader.

Recollecting the times when the establishment of IIM-Indore was announced, Professor Krishnan mentioned about the excitement and anticipation created among the entire education sector in the country.

"Everybody pondered upon how the new IIMs would be different from the existing ones and what steps they would take to enhance the scope of management education in the country," he said.

The management education progressed a lot and also evolved drastically since new IIMs were set up 20 years ago, he added.

Discussing about IIM-Indore's journey, he noted that the institute today has matured and achieved many laurels in the past years, right from launching the five-year Integrated Programme in Management to having the largest number of students on campus as compared to other IIMs. "Along with significant achievements to claim, the management education also has the challenge to stay contextually relevant with the economic and business scenario and ensure that it keeps up with the changing environment and contributes to the country in a significant manner," he concluded.

Best Teacher Award 2016
Harshal Lowalekar, Manoj Motiani, Rohit Kapoor, Sushanta K Mishra, VK Gupta

Best Performing Teacher Award 2015-16
Anoop R Malleri, BhupendraPandey, Pankaj Khode, Pooja Sharma

Gopalakrishnan then delivered the foundation day lecture on the topic—"Maximising, Not Balancing, Work Life Through Six Lenses".

Discussing about his graduating days, he said that management education those days was a bit flaky, and parents preferred that their children rather study at IITs and get "proper education". "After a few years, management education developed and grew into a matured flower, and the journey of management education since then has been quite pleasant," he said.

The education today focuses on producing competent managers, who are skilled, learned and talented, but can they be considered "happy managers", he questioned.

Mentioning that the young managers today find stress as a big problem, he said that the work-life balance is getting disturbed. "Our right eye can be considered as relationships, or family; and our left eye is like work. We can't just dilate one eye and try to get a clear vision; we need both the eyes, in a properly dilated manner. And that is how work-life should be rather maximized, not balanced," he added.

He noted that both the 'eyes' have six lenses which need to work together namely, Purpose—as to what needs to be done with life; Maturity—speaking what is in your mind; Courage—to be able to open your mouth and doing what you want; Trust—developing trust among each other; Defining success—and getting a clarity about what success is to you and Luck—which plays an important role. "As and when any person faces any situation, these six lenses adjust themselves accordingly and hence, no two persons can see any similar situation in a similar manner," he concluded.

This was followed by an award presentation ceremony, i.e. Certificate for Academic Excellence to top 5 percentile of the combined batch of the PGP (Batch 2015-17) and IPM (Batch 2012-17) participants based on their academic performance in the year 2015-16. Certificates were given to 25 students.

The event concluded with a melodious musical performance by Filter Coffee, fusion band from Mumbai, who enthralled the audience with their rocking and dazzling performances.

Free Press, October 4, 2016, Page - 2

IIM के फाउंडेशन डे पर कॉर्पोरेट पर्सनालिटी आर. गोपालकृष्णन ने कहा-

कमाई के एक लेवल के बाद थम जाता है खुशियों का ग्राफ

LECTURE

सिटी रिपोर्टर • मेरी बिल्डिंग के लिफ्टमैन को जब भी मैं देखता था तो लगता था कि दिनभर स्टूल पर बैठे रहने और लिफ्ट चलाने से बोरिंग जॉब नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने गौर किया तो पाया कि वो शख्स हर समय खुश रहता है। लिफ्ट में आने-जाने वाले लोगों से हंसकर बातें करता है।

वहीं दूसरी और उस बिल्डिंग में रहने वाले सीईओ, प्रेसीडेंट और वाइस प्रेसीडेंट जैसे लोग हर वक्त तनाव में नजर आते हैं। अमेरिका में एक हुए सर्वे की रिपोर्ट कहती है सालभर में 75 हजार डॉलर्स कमाने के बाद खुशियां बढ़ना बंद हो जाती है, वो वहीं रुक जाती है। हमें तय करना होगा कि हम क्या चाहते हैं?

ये कहना है कई नामी कंपनियों में सीनियर पोजिशन्स पर रह चुके आर. गोपाल कृष्णन का। वे सोमवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर के 20वें फाउंडेशन डे प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

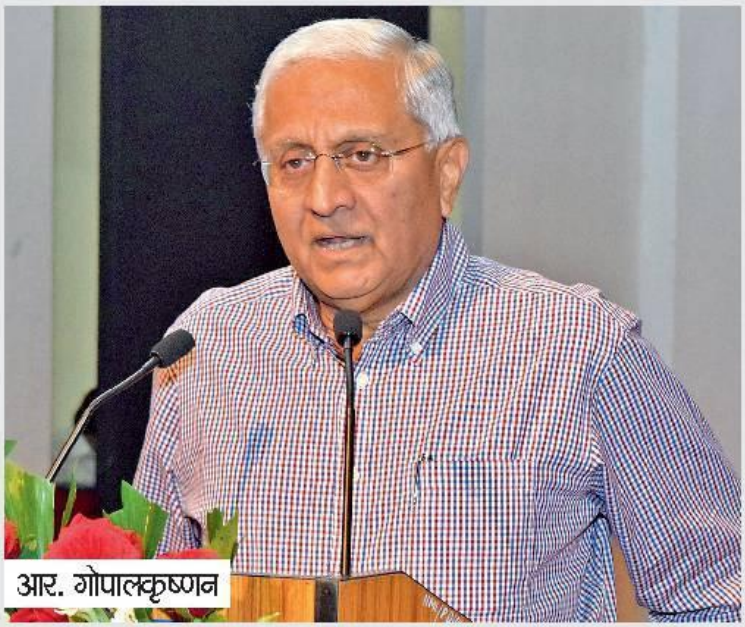

आर. गोपालकृष्णन

हैप्पीनेस के 6 लेंस

आर. गोपालकृष्णन ने कहा कि हमारी आंखों में 6 लेंस होते हैं जिनका एकसाथ काम करना जरूरी है। ये लेंस हैं परपज, मेच्योरिटी, करेज, ट्रस्ट, डिफानिंग सक्सेस और लक। हमारी एक आंख रिलेशनशिप एंड फैमिली है और दूसरी आंख हमारा काम। एक आंख बंद कर हम बेहतर विजन की कल्पना नहीं कर सकते। दोनों आखों का एकसाथ काम करना जरूरी है। वर्क-लाइफ को बैलेंस करने की अपेक्षा मेक्सिमाइज किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में आईआईएम के डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने भी संबोधित किया। पीजीपी और आईपीएम के टॉप स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस दिया गया। फैकल्टीज को भी बेस्ट टीचर अवॉर्ड दिए गए।

Dainik Bhaskar, October 4, 2016, Page -17 (City Bhaskar)

क्षमताएं और योग्यता तय करती है सफलता

इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के स्टूडेंट चेप्टर्स इनोग्रेशन में स्टूडेंट्स को बताए सक्सेस मंत्र

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

किसी बड़े संस्थान में पढ़ने से ही बेहतर भविष्य बनेगा, ये धारणा गलत है। स्कूल या कॉलेज आपके भविष्य का निर्धारण नहीं करते, भविष्य इस पर निर्भर करता है कि किसी संस्थान से निकलने के बाद आप किस राह को चुनते हैं। क्षमताएं और टैलेंट ही आपकी सफलता तय करते हैं। यह बात सोमवार को डेली कॉलेज में इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के स्टूडेंट चेप्टर्स इनोग्रेशन में आर.गोपालकृष्णन ने बतौर मुख्य अतिथि कही। वे एक प्रसिद्ध लेखक, कॉर्पोरेट एडवाइजर और चिंतक के रूप में जाने जाते हैं। वे कई संस्थानों में सेवाएं दे चुके हैं।

कॅरियर का शुरुआती दौर बच्चे के जन्म लेने के समान

स्टार्टअप पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कॅरियर की शुरुआत करते ही आप सफलता हासिल नहीं कर सकते, इसके लिए धैर्य जरूरी है। कॅरियर की शुरुआत एक बच्चे के जन्म के समान है, जैसे शिशु से युवा और युवा से प्रौढ़ का विकास क्रम के समान ही कॅरियर का विकास क्रम होता है, यह इनोवेशन, आइडिया, रिस्क लेने, हार सहने की क्षमता, फाइनेंस और इकोनॉमिक कंडिशन पर निर्भर करता है।

दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति सेल्समैन

उन्होंने कहा दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति सेल्समैन है। खुद की कहानी सुनाते हुए उन्होंने कहा मैंने मात्र 600 रुपए महीने के वेतन में डालडा और लाइफबॉय साबुन बेचे, एक इंजीनियर को सेल्समैन के रूप में कार्य करना अटपटा जरूर लगा, लेकिन बाद में मिली सलाह से उनके जीवन में सेल्समैन का पद ऊंचा हो गया। उन्होंने नौजवानों का सेल्समैन के सही स्वरूप से परिचय कराते हुए कहा अच्छे और रचनात्मक विचारों को आप अच्छे सेल्समैन के रूप में बेचते हैं। महात्मा गांधी को भी उन्होंने सेल्समैन का दर्जा देते हुए कहा गांधीजी ने अहिंसा के विचार को संपूर्ण दुनिया में बेचा।

सफलता सबसे कम और हार सबसे बेहतर शिक्षा देती है

उन्होंने कहा सफलता से सीखने का वक्त नही मिलता, क्योंकि सफलता सिर्फ खुशी देती है, लेकिन हार व्यक्तित्व का संचार करती है, एक नए रूप में बेहतर तरीके से सीखने के गुण सिखाती है, जो कि आपको पहले की अपेक्षा बेहतर बनाते हैं। इसलिए मैं सफलता को कमजोर और हार को मजबूत टीचर का दर्जा देता हूं। उन्होंने कहा सफलता में किस्मत का भी बहुत बड़ा हाथ होता है। उन्होंने गीता के श्लोकों का महत्व समझाते हुए कहा सफलता तय मत करो, कर्म करते चलो।

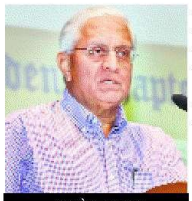

आर.गोपालकृष्णन

पैरेंट्स को भी दी हिदायत उन्होंने पैरेंट्स को हिदायत देते हुए कहा बच्चों का हमेशा सहयोग करें, लेकिन उनकी सफलता पर इतने तारीफों के पुल न बांध दें कि वे शुरुआती दौर में ही पिछड़ जाएं।

कुशल नहीं, खुशहाल मैनेजर हों तैयार

भारतीय प्रबंध संस्थान के 20वें स्थापना वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में आर गोपालकृष्णन ने कहा

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

ऐसा पहली बार हुआ था जब किसी इंडस्ट्रलिस्ट को भारत रत्न के पुरस्कार से नवाजा गया हो, साल था 1992 और व्यक्ति थे जेआरडी टाटा। जब पूरा देश उन्हें मिले सम्मान की प्रशंसा कर रहा था, तब उन्होंने कहा था कि इकोनॉमिक सुपर पावर कंट्री से कहीं अधिक खुशी भारत को खुशहाल देश के रूप में देखकर मिलेगी, मेरी भी यही राय है कि किसी संस्थान से केवल कुशल मैनेजर नहीं बल्कि खुशहाल मैनेजर तैयार हों।

यह कहना था आर. गोपालकृष्णन का, वे सोमवार को भारतीय प्रबंध संस्थान के 20वें स्थापना वर्ष के तहत मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने उनके स्नातक होने के दिनों के बारे में चर्चा करते हुए कहा प्रबंधन शिक्षा के बजाय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में अध्ययन को अभिभावक उचित मानते थे। कुछ वर्षों के बाद प्रबंधन शिक्षा का रोपा हुआ फूल परिपक्व होकर समयानुसार वृद्धि कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान एकेडमिक परफॉर्मेंस अनुसार प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत।

आंखों से रिश्तों और काम का संतुलन समझाया

उन्होंने कहा आज के दौर के युवा प्रबंधक काफी प्रतिभाशाली और सक्षम हैं, लेकिन तनाव एक बड़ी समस्या है, जिसका सामना संपूर्ण युवा प्रबंधक वर्ग कर रहा है। काम का बुरा प्रभाव उनके निजी जीवन पर पड़ रहा है, क्योंकि वो अपने रिश्तों को समय नहीं दे पा रहे हैं। क्षमतावान और प्रतिभाशील होने के बावजूद वो खुशहाल मैनेजर नहीं हैं। उन्होंने युवा प्रबंधकों को सलाह दी कि दाईं आंख में हमारे रिश्ते, परिवार और बाईं आंख में काम बसना चाहिए।

शिक्षकों को अवॉर्ड से नवाजा

इस कार्यक्रम के बाद पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें एकेडमिक परफॉर्मेंस के अनुसार 25 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर इस वर्ष के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के अवॉर्ड से भी पांच शिक्षकों को नवाजा गया, जिनमें प्रोफेसर हर्षा लोवलेकर, प्रो. मनोज मोटयानी, प्रो. रोहित कपूर, प्रो. सुशांता के. मिश्रा, प्रो. वीके गुप्ता शामिल थे। संस्थान में संपूर्ण वर्ष सहयोग प्रदान करने वाले स्टॉफ मेंबर्स भी मौके पर चयनित किए गए, जिनमें अनूप आर. मालेरी, भूपेंद्र पांडे, पंकज खोड़े, पूजा शर्मा शामिल हैं। संस्थान में दस वर्ष पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया, जिनमें प्रो. डीएल सुंदर, प्रो. दीपायन दत्ता चौधरी, प्रो. जिगर कन्थारिया, प्रो. प्रवीणकुमार पनीग्राही, प्रो. सबिता महापात्रा, प्रो. विलास एन। कार्यक्रम फ्यूजन बैंड के मंत्रमुग्ध कर देने वाले मधुर संगीत के साथ संपन्न हुआ।

रिश्तों को भी दें अहमियत उन्होंने कहा एक आंख चौड़ी नहीं कर सकते, स्पष्ट दृष्टिकोण के लिए दोनों आंखों की जरूरत है, इसलिए सुखद और खुशहाल जिंदगी के लिए काम के साथ-साथ रिश्तों को अहमियत देना भी जरूरी है।

Dabang Dunia, October 4, 2016, Page -13 (Dabang Metro)